



रजि० नं० एल. डब्लू./एन. पी. 561

लाइसेंस नं० डब्लू० पी०-41

लाइसेंस टू पोस्ट एंटे कन्सेशनल रेंट

सरकारी गजट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेशीय सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण

विधायी परिशिष्ट

भाग—1, खण्ड (क)

(उत्तर प्रदेश अधिनियम)

लखनऊ, शुक्रवार, 6 अक्टूबर, 1989

आश्विन 14, 1911 शक सम्वत्

उत्तर प्रदेश सरकार

विधायी अनुभाग—1

संख्या 1913/संवह-वि-1-1(क) 27/1989

लखनऊ दिनांक 6 अक्टूबर 1989

आधिसूचना

विविध

“भारत का संविधान” के अनुच्छेद 200 के अधीन राज्यपाल महोदय ने उत्तर प्रदेश विधान मण्डल द्वारा पारित उत्तर प्रदेश कृषि उत्पादन मण्डल समिति (अल्पकालिक व्यवस्था) (संशोधन) विधेयक, 1989 पर दिनांक 6 अक्टूबर, 1989 को अनुमति प्रदान की और वह उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 22 सन् 1989 के रूप में सर्वसाधारण की सूचनार्थ इस अधिसूचना द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

उत्तर प्रदेश कृषि उत्पादन मण्डल समिति (अल्पकालिक व्यवस्था)
(संशोधन) अधिनियम, 1989

[उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 22 सन् 1989]

(जैसा उत्तर प्रदेश विधान मण्डल द्वारा पारित हुआ।)

उत्तर प्रदेश कृषि उत्पादन मंडल समिति (अल्पकालिक व्यवस्था) अधिनियम, 1972 का अग्रतर संशोधन करने के लिए

अधिनियम

भारत गणराज्य के चालीसवें वर्ष में निर्माताखत अधिनियम बनाया जाता है:—

1—(1) यह अधिनियम उत्तर प्रदेश कृषि उत्पादन मंडल समिति (अल्पकालिक व्यवस्था) (संशोधन) अधिनियम, 1989 कहा जाएगा। संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ

(2) यह दिनांक 6 जून, 1989 को प्रवृत्त हुआ समझा जायगा।

उत्तर प्रदेश 2—उत्तर प्रदेश कृषि उत्पादन मण्डी समिति (अल्पकालिक व्यवस्था) अधिनियम, अधिनियम संख्या 7 1972 की, जिसे आगे मूल अधिनियम कहा गया है, धारा 2 में, उपधारा (1) में, शब्द सन् 1972 की "छः वर्ष" के स्थान पर शब्द "31 दिसम्बर, 1989 तक" रख दिये जायेंगे और सदैव संशोधन धारा 2 का से रखे गये समझे जायेंगे।

निरसन और अपवाद 3—(1) उत्तर प्रदेश कृषि उत्पादन मंडी समिति (अल्पकालिक व्यवस्था) (संशोधन) अध्यादेश, 1989 एतद्वारा निरसित किया जाता है।

(2) ऐसे निरसन के होते हुए भी, उपधारा (1) में निर्दिष्ट अध्यादेश द्वारा यथा संशोधित मूल अधिनियम के उपबन्धों के अधीन कृत कोई कार्य या कार्यवाही इस अधिनियम द्वारा यथा संशोधित मूल अधिनियम के तत्समान उपबन्धों के अधीन कृत कार्य या कार्यवाही समझी जायेंगी मानते इस अधिनियम के उपबन्ध सभी सारभूत समय पर प्रवृत्त थे।

आज्ञा से,
नारायण दास,
सचिव।

No. 1913 (2) /XVII-V-1-1 (KA) 27-1989
Dated Lucknow, October 6, 1989

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samiti (Alpakalik Vyawastha) (Sanshodhan) Adhinyam, 1989 (Uttar Pradesh Adhinyam Sankhya 22 of 1989) as passed by the Uttar Pradesh Legislature and assented to by the Governor on October 6, 1989.

THE UTTAR PRADESH KRISHI UTPADAN MANDI SAMITIS (ALP-KALIK VYAWASTHA) (SANSHODHAN) ADHINIYAM, 1989

[U. P. Act no. 22 of 1989]

(As passed by the U. P. Legislature)

AN

ACT.

Further to amend the Uttar Pradesh Krishi Utpaden Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) Adhinyam, 1972.

IT IS HEREBY enacted in the Fortieth Year of the Republic of India as follows :—

Short title and commencement

(1) This Act may be called the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) (Sanshodhan) Adhinyam, 1989.

(2) It shall be deemed to have come into force on June 6, 1989.

Amendment of section 2 of U.P. Act no. 7 of 1972

2. In section 2 of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) Adhinyam, 1972 hereinafter referred to as the principal Act in sub-section (1), for the words "of six years" the words "up to December 31, 1989" shall be substituted and be deemed always to have been substituted.

Repeal and saving

3. (1) The Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) (Sanshodhan) Adhyadesh, 1989, is hereby repealed.

(2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken under the provisions of the principal Act as amended by the Ordinance referred to in sub-section (1), shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of the principal Act as amended by this Act as if the provisions of this Act were in force at all material times.

By order,
NARAYAN DAS,
Sachiv.